केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 233 गुरूवार 14 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शैक्षणिक भ्रमण यात्रा को डीएम ने दिखाया हरी झण्डी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ने वाले 200 बच्चों के शैक्षिक भ्रमण यात्रा की बस को जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कलेक्ट्रेट परिसर में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होने बच्चों को कैप, लंच पैकेट तथा खाद्य सामग्री वितरित करते हुए उनके सुखद यात्रा की कामना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय बच्चों के लिए एक्सपोजर विजिट एक अच्छी योजना है, जिसके परिणाम स्वरूप यह बच्चे भी देश दुनिया के विभिन्न नए स्थलों तथा विभिन्न नई चीजों से रूबरू हो सकेंगे। उन्होंने बच्चों से बात भी की। इन बच्चों को गौतमबुद्ध की परिनिर्वाण स्थली कुशीनगर और गोरखपुर चिड़ियाघर की सैर कराई जायेंगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को शैक्षिक भ्रमण कराया जाता है। इस बार जनपद से विभिन्न स्कूलों व कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में पढ़ने वाले 200 छात्र–छात्राओं को जिला समन्वयक सुनील त्रिपाठी के नेतृत्व में महात्मा बुद्ध की परिनिर्वाण स्थली कुशीनगर तथा प्राणी उद्यान गोरखपुर का भ्रमण कराया जायेंगा। जहां बच्चों ने भगवान बुद्ध व उनके जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों के बारे में तथा चिड़ियाघर में विभिन्न प्रजातियों के जानवरों और पशु–पक्षियों की जानकारी हासिल करेंगे। इस अवसर पर सभी बच्चो को सफेद टोपी, परिचय पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मण गुप्ता, सुनील गुप्ता सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

निणुण घोषित 80 विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । निपुण घोषित 80 विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र व मोमेण्टो कलेक्ट्रेट सभागार में दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयेदव सी.एस., सांसद प्रतिनिधि जगदीश शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि सरोज मिश्रा, गुलाब चन्द्र सोनकर उपस्थित रहें। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि राज्य के विद्यालयों में कक्षा 1 से 3 तक अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को सरकार द्वारा जारी निपुण भारत की निर्धारित दक्षताओं को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की समय अवधि से एक वर्ष पूर्व ही वर्ष 2025–26 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।उन्होने बताया कि दक्षताओं को प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम व साहित्य का विकास तथा बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिकाओं, ई कंटेंट, टीएलएम सहित विभिन्न सुविधाओं का विकास कर उसे स्कूलों में लागू किया गया। उन्होने बताया कि जनपद के कुल 1238 विद्यालयों के रैंडम आधार पर प्रति कक्षा 12 छात्र (कुल 36) का असेसमेंट डायट के प्रशिक्षुओं द्वारा दिनांक 26 नवंबर से 7 दिसंबर 2023 तक किया गया।

उन्होने बताया कि जनपद के कुल 80 विद्यालय प्रथम चरण में 80 प्रतिशत प्राप्तांको के आधार पर निपुण घोषित किए गए। इस अवसर पर बीएसए अनूप तिवारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

भाजपा की दूसरी लिस्ट जारी, करनाल से मनोहर लाल खट्टर, नागपुर से नितिन गडकरी को टिकट

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 72 उम्मीदवारों के नामों वाली दूसरी सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में हरियाणा के करनाल से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, नागपुर से नितिन गडकरी समेत कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं।

बीजेपी ने अपनी दूसरी लिस्ट में हरियाणा की सिरसा सीट से अशोक तंवर को मैदान में उतारा है, जबकि गुरुग्राम से राव इंद्रजीत सिंह यादव मैदान में होंगे। इसके अलावा, अम्बाला से बंतो कटारिया, भिवानी–महेंद्रगढ़ से चौधरी धरमबीर सिंह को टिकट दिया है। वहीं, फरीदाबाद से कृष्ण पाल गुर्जर को टिकट मिला है। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को मैदान में उतारा गया है, जबकि शिमला से सुरेश कुमार कश्यप मैदान में होंगे।

कर्नाटक की चिक्कोडी सीट से अन्नासाहेब शंकर जोल्ले, बागलकोट से पीसी गद्दीगौडर, बीजापुर से रमेश जिगजिणगी, गुलबर्गा से उमेश जी जाधव को टिकट दिया गया है। इसके अलावा, बेल्लारी से बी श्रीरामुलू, हावेरी से बसवाराज बोम्मई को मैदान में उतारा गया है। धारवाड़ से प्रल्हाद जोशी को टिकट दिया गया है। तुमकुर वी सोमन्णा को टिकट दिया गया है। बेंगलुरु साउथ से तेजस्वी सूर्या मैदान में होंगे।

मध्य प्रदेश की बात करें तो बालाघाट से भारती पारधी, छिंदवाड़ा से विवेक साहू, उज्जैन से अनिल फिरोजिया को टिकट दिया गया है। इंदौर से शंकर लालवानी को उम्मीदवार बनाया गया है।

महाराष्ट्र की धुले सीट से सुभाष रामराव भामरे, जलगांव से स्मिता वाघ, अकोला से अनूप धोत्रे को टिकट दिया गया है। नागपुर से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी फिर से मैदान में होंगे। वहीं, जालना से रावसाहेब दादाराव दानवे को उम्मीदवार बनाया गया है।

उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से अनिल बलूनी, हरिद्वार से त्रिवेंद्र सिंह रावत को भी टिकट मिला है।

सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे धनंजय सिंह

जौनपुर (आभा)। जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपहरण और रंगदारी में मिली सात साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। धनंजय सिंह ने सजा का आदेश रद करने और जमानत पर रिहाई देने की मांग हाईकोर्ट से की है। फिलहाल धनंजय की याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई होगी। धनंजय ने कुछ दिन पहले ही लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। इसी बीच उन्हें नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण और रंगदारी मांगने के आरोप में जौनपुर की स्पेशल कोर्ट (एमपी, एमएलए) ने सात साल की सजा सुना दी। सजा के बाद जेल जाते समय धनंजय ने चिल्ला–चिल्लाकर कहा कि उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिए षड्यंत्र रचा गया है। कुछ दिनों में ही लोकसभा चुनाव का ऐलान होना है और आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में इस बात पर चर्चा तेज है कि क्या धनंजय सिंह चुनाव लड़ पाएंगे।

हिस्ट्रीशीटर रहे धनंजय सिंह पर पहले से कई आपराधिक केस चल रहे हैं लेकिन सजा पहली बार किसी मामले में सुनाई गई है। धनंजय सिंह कई बार विधायक और 2004 में बसपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। इस बार भी लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। अब सजा के कारण उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। दो साल या इससे ज्यादा की सजा पाने वाले को चुनाव लड़ने पर पाबंदी है। ऐसे में धनंजय सिंह को अब हाईकोर्ट से उम्मीद है। उनके वकील ने फैसले की कापी मिलते ही हाईकोर्ट में अपील की बात कही है। हाईकोर्ट से तत्काल कोई राहत नहीं मिलती तो कम से कम इस लोकसभा चुनाव में धनंजय का उतरना मुश्किल हो जाएगा।

चौहान समाज के लोगों ने किया कारागार मंत्री दारा सिंह का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश के कारागार मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दारा सिंह चौहान का बुधवार को अनेक सामाजिक, राजनीतिक दलों के लोगों ने रामकेश चौहान के नेतृत्व में बडे वन के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। वे सड़क मार्ग से महराजगंज जा रहे थे।

दारा सिंह चौहान ने उपस्थित लोगों से कहा कि भाजपा की सरकार चौहान समाज के साथ ही सर्व समाज के हितों के लिये लगातार काम कर रही है। आगामी लोकसभा के चुनाव में चौहान समाज के लोग पूरी ताकत से भाजपा प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने में जुट जाय। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से धर्मेन्द्र सिंह चौहान, रमेश चौहान, लालमन चौहान, भगवत प्रसाद, धर्मेन्द्र चौहान, जगदीश चौहान, रामपाल चौहान, वृजभान चौहान, आत्मा चौहान, रामनरेश चौहान, शैलेन्द्र सिंह चौहान, महेश चौहान, प्रभुनाथ चौहान, हरिश्चन्द्र चौहान, लालमन चौहान, धर्मेन्द्र आदि शामिल रहे।

सिंचाईबंधु की बैठक में अनुपस्थित रहे जिम्मेदार अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कृषि विभाग द्वारा संचालित समस्त कृषि यंत्रों से अधिकारी युद्धस्तर पर पात्र किसानों को लाभान्वित करें। अधिकारी फिल्ड हास्टल सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग सभागार में आयोजित सिंचाई बन्धु की बैठक में उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी ने उक्त निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में उन्होने पाया कि कृषि विभाग योजनान्तर्गत सोलर पम्प वर्ष 2023–24 में लक्ष्य 464 के सापेक्ष 441 लोगों ने बुकिंग किया है तथा 309 व्यक्तियों द्वारा धनराशि जमा किया है। उन्होने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसानों द्वारा यंत्रों की खरीद के बाद सब्सिडी समय से उनके खातों में आन्तरित किया जाय। उन्होने कहा कि अधिकारीगण शासन द्वारा संचालित योजनाओं से किसानों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करायें।

बैठक में उन्होने वन, गन्ना, समाज कल्याण, उद्यान, लघु सिंचाई विभाग के अधिकारीगण अनुपस्थित पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त किया है। विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना में जिन किसानों को लाभ प्राप्त नही हुआ है, उसकी सूची कारण सहित उपलब्ध कराये। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सदर शैलेन्द्र दुबे, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, विद्युत के महेन्द्र मिश्रा, नलकूप के संतलाल, बलिकरन चौहान, तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मुख्तार अंसारी को दूसरी बार उम्रकैद, फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में आजीवन कारावास

लखनऊ (आभा)। माफिया मुख्तार अंसारी को फर्जी तरीके से डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस लेने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मुख्तार पर दो लाख दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। विशेष न्यायाधीश (एमपी–एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने पूर्व विधायक बाहुबली मुख्तार अंसारी को आईपीसी की धारा 428, 467, 468, 120बी व आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत मुख्तार पर आरोप सिद्ध होने पर दोषी माना था। इस दौरान बांदा जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्तार अंसारी भी अदालत में हाजिर हुआ। पिछले डेढ़ सालों में मुख्तार अंसारी को आठवें मामले में सजा सुनाई गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के भाई अवधेश राय की हत्या में भी मुख्तार को उम्रकैद की सजा हुई थी।

अदालत ने मुख्तार अंसारी को धारा चार धाराओं में अलग–अलग सजा सुनाई है। धारा 467 में आजीवान कारावास और एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। धारा 420 में 7 वर्ष की सजा सुनाई गई है। 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। धारा 468 में सात वर्ष की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर तीन महीने की अतिक्त सजा भुगतनी होगी।

इसके अलावा 30 आयुष अधिनियम में छह माह की सजा और दो हजार का जुर्माना लगाया गया है। इसमें जुर्माना नहीं देने पर एक सप्ताह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने यह भी कहा कि सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी। जेल में पहले से बिताए गए समय को सजा में समायोजित भी किया जाएगा।

मुख्तार अंसारी ने 10 जून 1987 को दोनाली बंदूक के लाइसेंस के लिए गाजीपुर के जिला मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र दिया था। तत्कालीन डीएम व एसपी के फर्जी हस्ताक्षर से संस्तुति पत्र प्रस्तुत कर शस्त्र लाइसेंस ले लिया गया था। फर्जीवाड़ा उजागर होने पर सीबीसीआईडी ने चार दिसंबर 1990 को गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में मुख्तार अंसारी, तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर समेत पांच नामजद एवं कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।जांच के बाद तत्कालीन आयुध लिपिक गौरीशंकर श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी के विरुद्ध 1997 में अदालत में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान गौरीशंकर श्रीवास्तव की मौत हो गई थी। इसके चलते उनके विरुद्ध वाद समाप्त कर दिया गया।

अभियोजन ने प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन, पूर्व डीजीपी देवराज नागर समेत 10 गवाहों के बयान दर्ज किए थे। पिछली कई तिथियों पर सुनवाई के दौरान आरोपी के वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी ने लिखित बहस के साथ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग भी कोर्ट में दाखिल की थी। अभियोजन की ओर से भी रूलिंग पेश की गई थी।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस प्रकरण मुख्तार अंसारी को 8वें मामले में सजा सुनाई गई है। इसके पहले उसे सात मामलों में भी सजा हो चुकी है। उनसमें तीन सजा वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट से हुई है। फर्जी असलहा लाइसेंस प्रकरण के अलावा रुंगटा परिवार को बम से उड़ाने की धमकी में 15 दिसंबर 2023 को पांच साल की कैद और 10 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई गई थी। चर्चित अवधेश राय हत्याकांड में पांच जून 2023 को उम्रकैद, गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर की एमपीध्एमएलए कोर्ट एएसजे–चतुर्थ से 29 अप्रैल, 2023 को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच लाख रुपये का अर्थदंड, गैंगस्टर एक्ट में ही गाजीपुर की एमपीध्एमएलए कोर्ट से 15 दिसंबर 2022 को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच लाख रुपये जुर्माना की सजा हुई है।

328 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास

बरेली (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में 328 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में आईटी पार्क और महादेव सेतु शामिल हैं, जो नाथनगरी बरेली की पहचान बनेंगे। सीएम योगी ने कहा कि नाथनगरी के विकास से बरेली को विरासत और विकास का संगम मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने यूपी में 7 सालों में 56 लाख मकान और 3 करोड़ टॉयलेट बनवाए हैं।

सीएम योगी ने बरेली में कहा कि सभी जिलों में विकास के काम भेदभाव के बिना किए जा रहे हैं। आज सुरक्षा का वातावरण, बड़े पैमाने पर बड़े औद्योगिक समूह यूपी में निवेश कर रहे हैं। यूपी के युवाओं को कहीं जाने की जरूरत नहीं है यहां तक कि बाहर के युवा भी अब यहां जॉब के लिए आएंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि सपा और कांग्रेस आस्था का सम्मान नहीं कर पाते। पहले राम का नाम लेते ही गोली–लाठी चलने लगती थी।

15 मिनट के भाषण में सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और यूपी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बोला। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है। दुश्मन भारत को आंखे नहीं दिखा सकता, आंखें दिखाने वालों को सबक सिखा रहे हैं।

गोरखपुर- बस्ती मण्डल में सक्रिय है गरीबों को दारू, मुर्गा खिलाकर जमीनों की रजिस्ट्री कराने वाला गिरोह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सीएए कानून का विरोध वही लोग कर रहे हैं, जिनको इसकी समझ नहीं है। यह कानून सबके हित में ध्यान में रखकर लाया गया है। कानून के नाम पर विपक्ष ही विरोध कर रहा, उन्हीं के नेता मुस्लिम समाज को गुमराह कर रहे हैं। कहा कि, इससे बदलाव आएगा।

ओपी राजभर सुभासपा नेत्री नंदनी राजभर की हत्या के बाद परिजनों को सांत्वना देने सड़क मार्ग से संतकबीरनगर जा रहे थे। हाईवे पर चौनपुरवा स्थित एक ढाबे पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उसके बाद वह पत्रकारों से वार्ता किए। उन्होंने कहा कि गोरखपुर व बस्ती मंडल में एक ऐसा रैकेट काम सक्रिय है जो गरीबों को मुर्गा व दारू खिला–पिलाकर उनकी जमीनों की रजिस्ट्री करा लेता है। आए दिन इस तरह के मामले दोनों मंडलों में हो रहे हैं। यही मामला संतकबीरनगर में भी हुआ, जहां एक व्यक्ति की जमीन नशे में बैनामा करा ली गई। जब उस व्यक्ति को होश आया तो वह रुपये मांगने गया तो उसे संबंधित लोगों ने उसे भगा दिया। फिर वह जाकर ट्रेन के नीचे कटकर जान दे दी। इसी मामले की पैरवी नंदिनी राजभर कर रही थीं। उन्हीं लोगों ने नंदिनी की हत्या कर दी। हत्या करने वाले लोगों का मनोबल सपा सरकार में बढ़ गया था। जिसे योगी आदित्यनाथ की सरकार तोड़ने का कार्य कर रही है। कानून का राज कायम है। नंदिनी के परिवार को न्याय मिलेगा। कहा कि सपा–बसपा के समर्थन से कांग्रेस सरकार चली, लेकिन महिलाओं का ध्यान नहीं दिया गया। एक सवाल पर कहा कि पीला गमछा पार्टी की पहचान है। थाने में यदि कार्यकर्ता जाएंगे तो दारोगा को यह नहीं पूछना पड़ेगा कि किस पार्टी से हो। कहा कि पहले कि सरकारों ने गरीबों के हक पा डाका डाला। अब सीधे लाभ गरीबों को मिल रहा। बिचौलिए खत्म हो गए हैं। कहा कि पहले भी कुछ अधिकारी सपा से मिलकर काम करते थे, कुछ ऐसे भी हैं। इस दौरान विधायक महादेवा दूधराम, पूर्व विधायक रामललित चौधरी, जिलाध्यक्ष मनोज राजभर आदि मौजूद रहे।

बोर्ड की बैठक में गनेशपुर के समुचित विकास का निर्णय

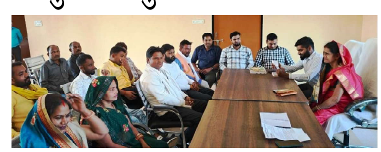

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक वार्ड नम्बर 4 के चंद्रशेखर आजाद नगर के कैम्प कार्यालय पर अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसका संचालन अधिशाषी अधिकारी शिव प्रताप सिंह ने किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्लान बनाकर नगर पंचायत गनेशपुर का समुचित विकास किया जाएगा। अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने बताया कि मुख्य सड़क व जल निकासी के लिए नालो और नालियों का निर्माण,विधुत पोल,जर्जर तार व पुराने ट्रांसफार्मर की जगह नए ट्रांसफार्मर की स्थापना प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे।जल संरक्षण के लिए ताल पोखरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा।सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराकर जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए उपयोग में लाया जाएगा एवं तीन नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की जाएगी इस मौके पर अधिशासी अधिकारी शिव प्रताप सिंह ने कहा कि शासन के मंशानुरूप सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा।

बैठक में मुख्य रूप से दुर्गा प्रसाद चौधरी,मो.आरिफ,रिंकू यादव सभासद रेशमा देवी,निर्मला देवी,अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद,मो.फरहान , इंद्रजीत यादव,मो.फारूक, सुमन,गणेश कुमार, शिवनारायण, दुर्गेश कुमार,पूजा,सुनीता देवी,मधु श्रीवास्तव,मो.मुख्तार आदि उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव के लिये भाजपा ने खोले विधानसभावार चुनाव कार्यालय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी बस्ती ने लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी का विधिवत आगाज कर दिया है। बुधवार को बस्ती में लोकसभा चुनाव के लिए विधानसभावार चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया गया। भाजपा के क्लस्टर प्रभारी सिद्धार्थनाथ सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, विधायक अजय सिंह, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, लोकसभा प्रभारी सेतभान राय व लोकसभा संयोजक केडी चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थित नेताओं की उपस्थिति में कार्यालय खोले गये।

जानकारी देते हुए किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने बताया कि लोकसभा केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन पहले हो चुका है वैदिक मंत्रोच्चार तथा हवन पूजन के साथ लोकसभा चुनाव के निमित्त भाजपा का विधानसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन चार विधानसभा क्षेत्रो विधानसभा हर्रैया में हर्रैया कस्बे में, कप्तानगंज में कप्तानगंज हाइवे पर, महादेवा में गायघाट, रुधौली में पावर हाउस के सामने रुधौली में चुनाव कार्यालय बनाया गया है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर चुनाव कार्यालय खोला गया।

इस अवसर पर सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कुछ ही दिन शेष है तथा भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। हम सभी कार्यकर्ताओं को बस्ती में भाजपा की जीत के लिए कार्य करना है। भाजपा व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश इस मंत्र पर चलती हैं। विपक्ष पर हमला बोलते हुए सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि देश में विपक्ष अपनी पहचान तथा विश्वसनीयता खो चुका है, विपक्ष कहीं नजर नहीं आता है प्रदेश में भी इस बार फिर से कमल खिलेगा ऐसा उन्हें विश्वास है। कमल के निशान पर चुनाव लड़ रहे हैं कमल निशान ही हमारा प्रत्याशी है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय ने कहा कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी समझ कर चुनाव लड़ता है। उन्होंहने कहा कि भाजपा में प्रत्याशी नहीं, पार्टी चुनाव लड़ती है। व्यक्ति विशेष नहीं कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है कार्यकर्ताओं के बलबूते पर ही चुनाव लड़े जाते हैं। बस्ती में भाजपा की जीत के लिए कार्य करना है। आज से चुनावी लड़ाई शुरू हो गई है सभी कार्यकर्ता उसके लिए कमर कस लें।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भी भाजपा बड़ी जीत प्राप्त करेगी। सरकार की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से आम जनता में उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटीयों तथा केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं के चलते केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना निश्चित है। लोकसभा चुनाव प्रभारी सेतभान राय ने कहा कि घर–घर संपर्क को और सघन किया जाए।

इस मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर राजेश पाल चौधरी, कुँवर आनन्द सिंह, यशकांत सिंह, सुखराम गौड़, आनन्द सिंह कलहंस, राकेश शर्मा, राजेंद्र गौड़ विनोद शुक्ल, विनोद सिंह, अनिल दुबे, पिन्टू तिवारी, रवि तिवारी, श्रुति कुमार अग्रहरी, राना दिनेश प्रताप सिंह, रघुनाथ सिंह, सुनील सिंह, ई0अरविंद पाल, जगदीश शुक्ल, राना नागेश प्रताप सिंह, सुजीत सोनी, दुष्यंत सिंह, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक निषाद, नितेश शर्मा, दिलीप पांडेय, सुरेंद्र तिवारी, सुशील सिंह, महेश शुक्ल, भोला निषाद, जटाशंकर शुक्ल, अंकुर वर्मा, इं० वीरेंद्र कुमार मिश्र, गौरवमणि त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, प्रमोद चौधरी गिल्लम, जगदीश अग्रहरी, विजय गुप्ता, सुभासपा के राष्ट्रीय सचिव विनोद राजभर, मनोज पाठक, श्वेतांक शेखर सिंह, प्रत्युष विक्रम सिंह, दीपू निषाद, अपना दल के प्रदेश सचिव झिनकान चौधरी, संजय चौधरी, पिंटू सोनकर, विनय सिंह सोनू, फूलचंद यादव, वरुण पाण्डेय, श्रीश पांडेय, चिन्तराम वर्मा जी राजेश द्विवेदी, वीरेंद्र सिंह, ध्रुव नारायण सिंह, राम सृंगार ओझा जी, अखण्ड प्रताप सिंह, वैभव पांडेय, बजरंग बिहारी पांडेय, वरूण सिंह, गौरव अग्रवाल, राकेश उपाध्याय, अतुल यादव, श्यामनाथ चौधरी, अरविन्द चौरसिया, राम नेवास गिरि सहित बड़ी भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 मार्च 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

सीएए और राजनीति

लोकसभा चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले पूरे देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए को लागू करने के भले ही राजनीतिक निहितार्थ बताए जा रहे हों, लेकिन पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न के चलते भारत लौटे हजारों लोगों के लिये यह न्यायपूर्ण नागरिकता ही है। भले ही सीएए को हकीकत में बदलने में चार साल से अधिक का समय लग गया हो मगर यह कदम अपना सब कुछ गवां कर लौटे लोगों के सपने सच होने जैसा है। उनकी स्थिति असमंजस के चलते कष्टदायक बनी हुई थी। नये कानून के प्रावधानों के अनुसार अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश में अल्पसंख्यक के रूप में सताये गए हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी आदि लोगों को भारत आने पर नागरिकता मिलने में आसानी होगी। दरअसल, नागरिकता अधिनियम 1955 के अनुसार भारत में नागरिकता पाने के लिये देश में ग्यारह साल तक रहना जरूरी था। अब यह अवधि घटाकर छह वर्ष कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जब 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम को संसद की मंजूरी मिली थी तो भ्रम व राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते खासा विवाद हुआ था। दरअसल, व्याख्या की गई थी कि यह देश के अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर संकट लाने वाला कदम है। केंद्र सरकार भी विरोधियों को यह समझाने में सफल नहीं हो सकी कि यह कानून किसी की नागरिकता छीनने वाला नहीं बल्कि पड़ोसी देशों में उत्पीड़न के बाद पलायन करने वाले भारतीय लोगों को न्यायपूर्ण नागरिकता देने के लिये है। लेकिन इस मुद्दे पर जमकर हुई राजनीति का शोर इतना प्रबल था कि सीएए के मुद्दे पर अनपेक्षित विवाद पैदा हुआ। दिल्ली में इसके विरोध में लंबा आंदोलन चला। जो कालांतर हिंसक टकराव में भी तब्दील हुआ। बहरहाल, सीएए को देश में लागू करके भाजपा ने अपने लक्षित वर्ग को यह विश्वास दिलाया कि उसने अपने कोर एजेंडे में शामिल अधिकांश मुद्दों को मूर्तरूप दे दिया है। ठीक चुनाव से पहले इसका क्रियान्वयन इसी ओर इशारा भी करता है।

बहरहाल, वर्षों से भारत आकर नागरिकता की प्रतीक्षा कर रहे उन हजारों लोगों ने राहत की सांस ली होगी, जो लंबे समय से नागरिकता हासिल करने के लिये सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। इन लोगों के पास दुनिया में कहीं दूसरा ठौर–ठिकाना भी नहीं था। बहरहाल, पड़ोसी देशों में विभाजन की विसंगतियों तथा उन देशों में बहुसंख्यक समाज की असहिष्णुता ने ऐसे हालात पैदा कर दिये थे कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के पास भारत आने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पिछले कुछ वर्षों में अफगानिस्तान में तख्ता पलट के बाद तालिबान ने जिस तरह का क्रूर व्यवहार हिंदू–सिखों के साथ किया था, उसके चलते इन समुदायों के अधिकांश लोग अफगानिस्तान छोड़ गये हैं। बहरहाल, अब नये कानून के तहत ये लोग अपनी नागरिकता के लिये ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस मुद्दे का विरोध करने वालों के अपने तर्क हैं। इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी स्वाभाविक है। इसको लेकर धर्म की राजनीति करने के आरोप भी लगाये जाते रहे हैं। पक्ष व विपक्ष इस मुद्दे का लाभ उठाने की कोशिश आसन्न लोकसभा चुनाव के चलते करेगा। लेकिन राजनीति से इतर इस मुद्दे का मानवीय पक्ष भी है। जो लोग बेहतर जीवन की आस में देश में आए हैं उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया जाना ही चाहिए। यह अच्छी बात है कि चुनाव से पहले कानून से जुड़े नियम स्पष्ट हो गये हैं। वर्ष 2019 के समय इसे अधिसूचित करते वक्त ऐसा नहीं हो सका था। यदि अब नियम तय न होते तो नई लोकसभा के सामने कई तरह की तकनीकी दिक्कतें हो सकती थी। कह सकते हैं कि केंद्र सरकार ने सीएए को लागू करके इस प्रयास को पूर्णता प्रदान की है। अब सीएए के विरोधी भी विरोध की तार्किकता पर अपनी बात रख सकते हैं। लेकिन साथ ही सत्ता पक्ष का दायित्व भी है कि सीएए को लेकर कुछ वर्गों में जो आशंकाएं हैं, उनका भी निराकरण समय रहते किया जाए। अन्यथा पहले की तरह ही कानून–व्यवस्था की समस्या खड़ी हो सकती है।

माननीय न्यायाधीश से जनसेवक की यात्रा के निहितार्थ

–पूनम आई. कौशिश–

बढ़ते हुए राजनीतिक प्रदूषण में धुंआ और विषाक्त अपशिष्ट मिले हुए हैं और राजनीतिक चालबाजी के काम में एक अकल्पनीय कार्य किया गया, जिससे एक संवैधानिक निकाय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता की उपेक्षा की गई। कभी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि जो व्यक्ति संविधान को सर्वोपरि मानता है, न्यायिक निर्णय देता है, दोषियों के विरुद्ध अप्रिय आदेश देता है, वह एक दिन स्वयं राजनीतिक प्रलोभन के समक्ष झुक जाएगा।

अन्यथा पिछले सप्ताह कोलकाता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय द्वारा भाजपा में शामिल होकर उच्च न्यायिक पीठ से राजनीति के उबड़–खाबड़ रास्ते में प्रवेश करने को किस प्रकार व्यक्त करें। इस क्रम में उन्होंने न्यायपालिका को एक बड़ा झटका दिया है, न्यायालय में लोगों की आस्था पर प्रहार किया है और हमारी नैतिक चेतना को ठेस पहुंचाई है तथा न्याय के लिए हमारे अंतिम साधन पर विश्वास कम किया है। और यह सब कुछ तब किया गया, जब उन्होंने अपने सहयोगी न्यायाधीश पर आरोप लगाया और पश्चिम बंगाल में 24 जनवरी को सरकार और न्यायालय के बीच संबंध एक निम्नतम स्तर पर देखने को मिले।

महत्वपूर्ण यह है कि न्यायाधीश का राजनीति में शामिल होने का निर्णय इसके तरीके और इसके संदर्भ से न्यायिक औचित्य और निष्पक्षता के बारे में अनेक प्रश्न उठता है और इसके तीन कारण हैं। पहला, न्यायालय में उनका रिकॉर्ड विवादों से भरा रहा। दूसरा, गत दो वर्षों के दौरान इन विवादों में यह देखने को मिला कि एक वर्तमान न्यायाधीश का निर्वाचित सरकार के साथ किस तरह से टकराव बढ़ रहा है, जिससे पक्षपात की बू आती है। तीसरा, उनका राजनीति में प्रवेश करने से न्याय प्रदाय करने पर प्रभाव पड़ेगा।

क्या लाखों याचिकाकर्ता यह नहीं सोचेंगे कि भाजपा से पुरस्कार प्राप्त करने की आशा में अपने त्यागपत्र से पूर्व न्यायाधीश ने प्रशासन के प्रति कठोर रुख दर्शाया? सितंबर 2022 का रोजगार घोटाला मामला ही ले लें। इस मामले की सुनवाई करते हुए गंगोपाध्याय ने ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया। इसमें न्यायिक औचित्य का अभाव था जिसके चलते उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को आदेश दिया कि इस मामले को दूसरी पीठ को सौंपा जाए।

जनवरी में राज्य में मैडिकल कालेजों में प्रवेश के मामलों में उन्होंने एक बड़ी खंडपीठ के निर्णय को पलट दिया और अपने एक सहयोगी के विरुद्ध गैर–जिम्मेदाराना टिप्पणी की। लोकतंत्र की चेतना के प्रहरी जब राजनीतिक साध का शिकार बनते हैं तो फिर मुक्ति नहीं, अपितु पतन आरंभ होता है। उनके राजनीति में प्रवेश से न्यायपीठ पर बैठकर उनके निर्णयों के बारे में अब संदेह होने लगा है। राजनीति में आने और भाजपा में शामिल होने के लिए उन्होंने जो कारण बताए, वे तृणमूल कांग्रेस नेताओं द्वारा किया गया अपमान और टिप्पणियां हैं, किंतु इनमें दम नहीं है। चाहे तृणमूल कांग्रेस ने उन पर भाजपा का राजनीतिक कार्यकर्त्ता होने का आरोप ही क्यों न लगाया हो। भविष्य में न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक पुरस्कार प्राप्त करने की आशा के चलते किसी विशेष पार्टी के प्रति नियमों को तोड़–मरोड़ सकते हैं। इससे जनता की राय में भी बदलाव आया और लोगों में यह भावना पैदा हो रही है कि एक संस्थान, जो स्वतंत्रता का अभिरक्षण और निगरानी करता है तथा जो संस्थागत ईमानदारी और शुचिता के लिए एजेंडा निर्धारित करता है, क्या उसे राजनीतिक दृष्टि से पक्षपातपूर्ण निर्णय या राजनीतिक झुकाव दिखाना चाहिए?

उनके समर्थकों का कहना है कि गंगोपाध्याय ने साहस दिखाया, जबकि उनके आलोचक इसे अनुचित बताते हैं और नेता उन पर आरोप लगाते हैं कि एक न्यायाधीश के रूप में उन्होंने एक राजनेता की तरह व्यवहार किया। निश्चित रूप से गंगोपाध्याय किसी संवैधानिक न्यायालय के पहले न्यायाधीश नहीं हैं, जिन्होंने त्यागपत्र दिया और राजनीति में प्रवेश किया। वर्ष 1967 में भारत के पूर्व न्यायाधीश सुब्बाराव जो गोकुलनाथ और खरग सिंह मामलों में निर्णय के लिए विख्यात थे, ने अपनी सेवानिवृत्ति से 3 माह पूर्व त्यागपत्र दिया और विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा।

भारत के पहले अटार्नी जनरल शीतलवाड ने प्रसिद्ध न्यायविद छावला पर राजदूत बनने की नेहरू की पेशकश को स्वीकार करने का आक्षेप लगाया। वर्ष 1983 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बहरूल इस्लाम ने लोकसभा चुनाव लडने के लिए अपनी सेवानिवृत्ति से 6 सप्ताह पूर्व त्यागपत्र दिया। राजीव गांधी ने भी भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एम.एस. बेग का राज्यसभा के लिए नाम निर्दिष्ट किया, जिसके चलते न्यायपालिका की निष्पक्षता प्रभावित होने का खतरा पैदा हुआ किंतु इस संबंध में औपचारिकताएं पूरी करने से कुछ दिन पूर्व न्यायाधीश बेग का निधन हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनका अनुसरण किया और मार्च 2020 में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए नामित किया। इस पर विपक्ष ने उन पर आरोप लगाया कि अयोध्या निर्णय के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंगनाथ मिश्र के बारे में क्या कहा जाए, जिनका नाम कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए निर्दिष्ट किया और न्यायाधीश बहरूल इस्लाम बाद में कांग्रेस के लोकसभा के सांसद बने।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रामा जोइस को राज्यपाल बनाया गया। बाद में वह राज्यसभा में भाजपा के सांसद बने। इससे पूर्व उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को कांग्रेस ने राज्यसभा में सांसद बनाया। फिर वह जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद और फिर लोकसभा अध्यक्ष बने। उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति फातिमा बीबी को 1992 में सेवानिवृत्ति के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का सदस्य बनाया गया।

वर्ष 1997 में बीबी को तमिलनाडु का राज्यपाल बनाया गया, जहां पर स्थापित संवैधानिक मानदंडों को नजरंदाज करने के लिए निर्णयों के चलते राजनीतिक टकराव चलता रहा और उन्होंने वर्ष 2001 में अन्नाद्रमुक प्रमुख जयललिता को मुख्यमंत्री बनाया। हालांकि भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी दोषसिद्धि के चलते वह विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ सकीं। इसी तरह पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त गिल को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया।

मुझे याद है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बादल ने एक बार टिप्पणी की थी कि जो व्यक्ति ऐसे उच्च पदों पर आसीन हैं, उन्हें पार्टी के टिकट पर चुनाव नहीं लडना चाहिए। इस पर गिल ने कहा कि मैंने कोई ठेका लिया है सौ साल का और जब मिठाई बांटी गई तो वह राजनीतिक रसातल के बारे में हल्लाबोल तथा मूल्यों और सत्यनिष्ठा के बारे में बार–बार उनके बल दिए जाने की अपनी बातों को भूल गए।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी. सतशिवम को 2014 में केरल का राज्यपाल बनाया गया। भारत के दूसरे मुख्य निर्वाचन आयुक्त के.वी. के. सुन्दरम को सेवानिवृत्ति के बाद विधि आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। वर्ष 1986 में मुख्य निर्वाचन आयुक्त आर.के. त्रिवेदी को सेवानिवृत्ति के कुछ महीनों बाद गुजरात का राज्यपाल बनाया गया। लगता है गंगोपाध्याय को पार्टी में शामिल करने के बारे में भाजपा को उचित सलाह नहीं दी गई।

दुर्भाग्यवश यह निर्णय उल्टा पड़ सकता है और इसके चलते व्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि कानूनों और नियमों में बदलाव किया जाए और संवैधानिक पदों के प्रमुखों को किसी राजनीतिक दल में शामिल होने या सेवानिवृत्ति के बाद सरकार द्वारा दी गई किसी नियुक्ति को स्वीकार करने पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। विचारणीय प्रश्न है कि क्या भारत में ऐसे व्यक्तियों को उच्च संवैधानिक पदों पर बने रहने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक दलों से पुरस्कार स्वीकार करते हैं। आशा की जाती है कि गंगोपाध्याय मामला एक मानदंड न बने और न्यायाधीश इस तरह के प्रलोभन से बचें। यह भारत के लोकतंत्र के भविष्य के लिए शुभ नहीं है।

उत्तर प्रदेश : कानून व्यवस्था के दावों का सच

–निर्मल रानी–

उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा ही नहीं बल्कि राजनैतिक दृष्टि से भी यह सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। यह राज्य केवल हाई प्रोफ़ाइल राजनीतिज्ञों,साहित्यकारों,कवियों,शायरों का ही नहीं बल्कि हाई प्रोफ़ाइल अपराध व अपराधियों का भी गढ़ है। यहाँ के बेख़ौफ़ अपराधियों के लिये कभी भी और किसी भी जगह बड़े से बड़े अपराध को अंजाम देना मामूली बात है। फिर चाहे कोई व्यक्ति थाने में हो,पुलिस कस्टडी में या जेल में या भीड़ भाड़ के इलाक़े में या अपने को सुरक्षित समझते हुये अपने घर में चैन से सो रहा हो,किसी भी जगह हत्या को अंजाम देना ऐसे शातिर अपराधियों के लिये मामूली बात है। उत्तर प्रदेश में क़ानून व्यवस्था का विषय अक्सर चुनावी मुद्दा भी बनता रहता है। प्रत्येक राजनैतिक दल एक दूसरे पर क़ानून व्यवस्था के मामले में असफल होने और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाते रहते हैं। राज्य की वर्तमान सरकार तो प्रदेश की क़ानून व्यवस्था को दुरुस्त करने का कुछ ज़्यादा ही ढिंढोरा पीटती रहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को अपराधमुक्त बनाने का जहाँ दावा करते रहते हैं वहीँ वह यह बताने से भी नहीं चूकते कि पिछली (सपा) सरकार में माफ़िया व अपराधी बेख़ौफ़ घूमा करते थे। 17 सितम्बर 2023 को उनके गृह नगर गोरखपुर में दिया गया योगी के भाषण का यह अंश क़ानून व्यवस्था के प्रति उनके नज़रिये को दर्शाता है या यह सिर्फ़ तालियां पिटवाने के लिये की गयी लफ़्फ़ाज़ी थी,यह तो राज्य की आपराधिक घटनायें ही बता रही हैं। उस समय मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि –'क़ानून संरक्षण के लिए है। लेकिन क़ानून को बंधक बनाकर व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करने की इजाज़त किसी को नहीं है। क़ानून सुरक्षा के लिए है, लेकिन यदि किसी ने बहन–बेटी के साथ छेड़खानी की तो अगले चौराहे पर उस शोहदे का इंतज़ार यमराज कर रहे होंगे। उसे यमराज के यहां भेजने से कोई रोक नहीं पाएगा। हमें सुरक्षा के बेहतरीन वातावरण देना होगा।

तो क्या मुख्यमंत्री की इस चेतावनी के बाद राज्य की क़ानून व्यवस्था ख़ासकर महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में कोई कमी आई या फिर यह भी महज शफ़िल्मी डायलॉग श या फिर जुमला साबित हुआ ? राज्य की बिगड़ती क़ानून व्यवस्था स्वयं इस बात का सुबूत है। आम महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार व शारीरिक शोषण की अनेक घटनाओं की तो बात ही छोड़िये इस राज्य में तो अब हाई प्रोफ़ाइल महिला नेता भी सुरक्षित नहीं रहीं। यहाँ तक कि सत्ता से जुड़े लोगों को भी अपराधी बेख़ौफ़ अपना निशाना बना रहे हैं। ताज़ातरीन उदाहरण उत्तर प्रदेश में भाजपा के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की वरिष्ठ महिला नेत्री नंदिनी राजभर की हत्या का है। नंदिनी राजभर सुभासपा की महिला विंग की प्रदेश महासचिव थीं। पिछले दिनों कबीर नगर में खलीलाबाद के डीघा गांव में अज्ञात लोगों द्वारा उनके साथ उन्हीं के घर में घुस कर कथित तौर पर पहले सामूहिक बलात्कार किया गया और बाद में उनके शरीर को चाक़ुओं के वार से छलनी कर दिया गया। जिसके चलते मौक़े पर ही उनकी मौत हो गयी और हत्यारे घटना को अंजाम देकर फ़रार हो गये। नंदिनी राजभर का लहूलुहान शव उनके कमरे में फ़र्श पर पड़ा मिला। क्या इस हत्याकांड को अंजाम देने वालों को इस बात का ज़रा भी भय नहीं था कि 'अगले चौराहे पर उनका इंतज़ार यमराज कर रहे होंगे'? यह घटना क्या यह सोचने के लिये मजबूर नहीं करती कि जब अपराधियों द्वारा एक सत्ता समर्थक नेत्री के घर में घुसकर उसका यह हश्र किया जा सकता है तो रास्ता चलती आम महिलाओं की सुरक्षा की आख़िर क्या गारंटी है ?

चाक चौबंद क़ानून व्यवस्था का दावा कर अपनी ही पीठ थपथपाने वाला यही वह प्रदेश है जहां 15 अप्रैल, 2023 को पुलिस सुरक्षा के मध्य तीन हमलावरों ने पूर्व सांसद अतीक़ अहमद व उसके भाई अशरफ़ की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी जब यह दोनों भाई मेडिकल जांच के लिए प्रयागराज के काल्विन अस्पताल ले जाये जा रहे थे। उस समय तीन अपराधी पुलिस सुरक्षा की परवाह किये बिना पुलिस का घेरा तोड़कर इन दोनों भाइयों पर गोलियां बरसाने लगे जिसमें दोनों भाइयों की मौक़े पर ही मौत हो गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी यूपी सरकार को फटकार लगाई थी। इसी तरह गत वर्ष 2 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के देवरिया ज़िले का वह हत्याकांड जिसमें मात्र 35 मिनट के भीतर दो परिवार के छह लोगों की हत्या कर दी थी । इस हत्याकांड ने उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में सनसनी फैला दी थी। उस समय भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई करने का आदेश दिया था और सत्ताधारी नेताओं की ओर से कहा गया था कि ' इस मामले में ऐसी कार्रवाई की जाएगी कि वह लोगों के लिए नज़ीर बन जाएगी '। परन्तु दरअसल ऐसी घटनायें तो शासन की विफलता की ही नज़ीर पेश करती हैं। रहा सवाल सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश का या अपराधियों को श्नज़ीर बनने वाली सज़ाश देने या दुख प्रकट करने का तो इन लफ़्फ़ाज़ियों से न तो मृतकों का जीवन वापस आ सकता है न ही अपराध में कमी आती दिखाई देती है।

योगीराज में इस तरह का हाई प्रोफ़ाइल सामूहिक हत्याकाण्ड 17 जुलाई 2019 को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र ज़िले के घोरावल थाना क्षेत्र के उम्भा गांव में हुआ था जबकि लगभग 30 ट्रैक्टर में भरकर आए 150 सशस्त्र लोगों ने जिनके पास कथित तौर पर 10 से अधिक राइफ़लें थीं । जब इन सशस्त्र हमलावरों को रोकने के लिए गांव वालों ने गुहार लगाई तो उन्होंने उन पर ही गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। नतीजतन 10 लोगों की मौक़े पर ही मौत हो गयी। योगी सरकार के प्रदेश में चाक चौबंद क़ानून व्यवस्था के दावों के बीच अपराधियों द्वारा ऐसी अनेक आपराधिक घटनायें प्रदेश में आये दिन अंजाम दी जाती हैं। महिलाओं के साथ भी आये दिन अपराध होते रहते हैं। परन्तु इन वास्तविकताओं को नज़रअंदाज़ कर इन्हें उत्तर प्रदेश या मणिपुर जैसी डबल इंजन की सरकारों वाले राज्य की नहीं बल्कि केवल बंगाल और केरल की आपराधिक घटनायें ही नज़र आती हैं। गोया इन्हें उत्तर प्रदेश में क़ानून व्यवस्था के अपने ही दावों और उसकी हक़ीक़त में कोई फ़र्क़ नज़र नहीं आता।

चिंताजनक कृषि विकास दर नीति

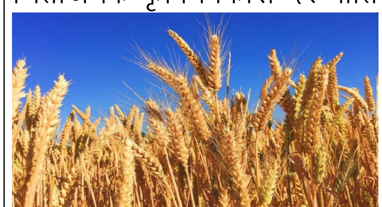

- डा. अमृत सागर मित्तल-

वित्त वर्ष 2023–24 में देश की अर्थव्यवस्था 7.6 प्रतिशत बढने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर कृषि क्षेत्र की विकास दर 1 प्रतिशत से भी नीचे होना चिंताजनक है। अप्रैल से दिसंबर तक तीन तिमाहियों में कृषि की 0.8 प्रतिशत विकास दर 31 मार्च को समाप्त होने वाले मौजूदा वित्त वर्ष में 0.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो पिछले 10 वर्ष में सबसे कम होगी। 65 प्रतिशत परिवारों को रोजगार देने वाला देश का कृषि सैक्टर कई चुनौतियों से जूझ रहा है। परिवारों में बंटती कृषि भूमि व छोटे किसानों की पहुंच से दूर आधुनिक टैक्नोलॉजी के परिणामस्वरूप घटती उपज से खेती घाटे का सौदा है। इस वित्त वर्ष के खरीफ व रबी सीजन के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने खाद्यान्न उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 41 लाख टन घटने की आशंका जताई है। देश में कृषि संकट की जड़ें बहुत गहरी हैं। इसके टिकाऊ समाधान के अभाव में संकट बढ़ता जा रहा है। पांच बड़ी समस्याएं भारत के कृषि विकास में रुकावट हैं।

पहला संकट किसानों की घटती आय है। देश के 86 प्रतिशत छोटे किसान परिवारों की आय घट रही है या स्थिर है, जिससे पारंपरिक पारिवारिक खेती में सुधार के लिए पूंजी निवेश नहीं हो पा रहा। परिवार चलाने के लिए ये किसान दूसरे के खेतों में मजदूरी के लिए मजबूर हैं। दूसरा, प्राकृतिक संसाधन, विशेषकर मिट्टी व जल की गिरती गुणवत्ता भविष्य की खेती के लिए बड़ा संकट है। तीसरा, किसानों की युवा पीढ़ी को एक आकर्षक रोजगार के रूप में खेती पर निर्भर रहने में भरोसा नहीं, इसलिए ये छोटी–मोटी नौकरी के लिए शहरों व विदेशों की ओर भाग रहे हैं।चौथा, जलवायु संकट किसानों की बरसों की कड़ी मेहनत से हासिल की गई खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा है। पांचवां, कृषि क्षेत्र की बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों की असरदार व कारगर पॉलिसी नहीं है। कृषि क्षेत्र की तमाम चुनौतियों से पार पाकर किसानों को सक्षम व समृद्ध बनाने के लिए एक सही पॉलिसी के दखल की दरकार है।

कृषि भूमि रू भारतीय किसानों को छोटी जोत के कारण बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दशक में देश में औसत भूमि जोत घटकर 1.08 हैक्टेयर रह गई है, जो विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। छोटी जोत के रकबे में पैदावार बढ़ाने के लिए नए तरीके अपनाने की जरूरत है। छोटी जोत वाले किसान मिलकर अपने सामूहिक नैटवर्क के दम पर खेती के लिए कर्ज से लेकर खाद, बीज व अन्य संसाधनों पर लागत घटा सकते हैं। इस पहल से कृषि को और अधिक फायदेमंद बनाने में मदद मिल सकती है। छोटी जोत के लिए उपयुक्त आधुनिक टैक्नोलॉजी व मशीनीकरण का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में किसानों को जागरूक करने से लाभ मिलेगा।

टैक्नोलॉजी का उपयोग रू हमेशा मौसम के मिजाज पर निर्भर रहने वाले किसान खेती पर जलवायु परिवर्तन के असर के कारण आर्थिक रूप से कमजोर हो रहे हैं। इन हालात में कृषि की उत्पादकता बढ़ाने व इसे फायदेमंद बनाने के लिए निर्णायक कदम उठाना जरूरी है। सरकार को रिसर्च एंड डिवेल्पमैंट (आर. एंड डी.) पर खर्च बढ़ाना चाहिए। देश के कृषि बजट का केवल 0. 3–0.5 प्रतिशत आर. एंड डी. पर खर्च होता है, जबकि अमरीका में 2. 8, चीन 2.1, दक्षिण कोरिया 4.3 व इसराईल अपने कृषि बजट का 4.2 प्रतिशत आर. एंड डी. पर खर्च करते हैं। आर. एंड डी. में कम निवेश कृषि सैक्टर की कई चुनौतियों से निपटने में एक बड़ी बाधा है।

हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां टैक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र में नई क्रांति ला सकती है। हाइब्रिड टैक्नोलॉजी, बायो–टैक्नोलॉजी, संरक्षित खेती, सटीक खेती, बायो एनर्जी, फसलों का बायोफोर्टिफिकेशन, रिमोट सैंसिंग, इन्फॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजी आदि के इस्तेमाल को तत्काल बढ़ाना होगा।

कमरे में खून देख भांजी की निकल गई चीख, दो बेटियों की हत्या कर महिला ने की जान देने की कोशिश

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल कस्बे के घोड़हवां वार्ड में बुधवार को एक मां ने अपनी आठ वर्षीय बेटी अपेक्षा और तीन वर्षीय बेटी आरोही की गला रेतकर हत्या कर दी, और उसी चाकू से खुद के गले पर भी वारकर आत्महत्या का प्रयास किया। स्कूल से घर लौटी उसकी भांजी शिखा ने जब तीनों को खून से लथपथ देखा तो चिल्लाकर लोगों का सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां दोनों बच्चियों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल मां साक्षी को मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें साक्षी ने घटना के संबंध में लिखा है। यह भी लिखा है, कि इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है, इसमें मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को परेशान न किया जाए।

निचलौल कस्बे के घोड़हवा वार्ड निवासी अमन विश्वकर्मा अयोध्या में चीनी मिल के कर्मचारी हैं। इनके पिता पारसनाथ विश्वकर्मा अपनी पत्नी के साथ हरिद्वार में रहते हैं। इनके दो भाई आकाश और रोहित दिल्ली में रहकर काम करते हैं। घर पर अकेले अमन की पत्नी साक्षी और उनकी दो बेटियां व भांजी शिखा मौजूद थी। शिखा सुबह स्कूल गई हुई थी। दोपहर बाद जब वह लौटी तो घर का दरवाजा बंद था। पड़ोसी के छत से सीढ़ी के रास्ते घर में दाखिल हुई तो पाया कि सभी कमरे के दरवाजे बंद थे। बेडरूम को खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह अंदर से बंद था, जोर से धक्का मारा तो उसकी कुंडी टूट गई, जिसके बाद कमरे का दृश्य देखकर उसकी चीख निकल गई। कमरे के पूरे फर्श पर खून पसरा था। बेड और फर्श पर उसकी मामी साक्षी और बेटियां अपेक्षा और आरोही पड़ी हुई थी। चीख सुनकर आस—पास के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पाया कि अभी अनु की सांस चल रही है, जिसके बाद तीनों को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों बेटियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल मां साक्षी को मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया है।

सीएमओ कार्यालय को मिला अपना भवन, विधायक ने किया शुभारंभ

संवाददाता—महराजगंज। लंबे इंतजार के बाद बुधवार को महराजगंज के सीएमओ कार्यालय को अपना भवन मिल गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने जिला मुख्यालय पर बने सीएमओ कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। कहा कि जिलेवासियों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाय। सदर विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग के लोगों के विकास के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। इसमें स्वास्थ्य सुविधा विशेष है। सीएमओ कार्यालय को अपना भवन उपलब्ध हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ उनके अधीनस्थ कर्मचारी यहां से जिले के अंतिम छोर के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे। एक छत के नीचे सीएमओ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों, डीएमओ, पीसीपीएनडीटी एक्ट के नोडल अधिकारी, डीपीएम और प्रधान सहायक बैठकर लोगों की समस्या का त्वरित निस्तारण आसानी से कर सकेंगे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णगोपाल जायसवाल ने कहा कि सीएमओ कार्यालय को अपना भवन मिलने से स्वास्थ्य अधिकारियों को सुचारू ढंग से कार्य करने में सुविधा होगी। इस मौके पर सीएमओ डॉ. नीना वर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एसीएमओ डॉ. राकेश कुमार, डिप्टी सीएमओ डीआईओ डॉ. केपी सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. वीर विक्रम सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश द्विवेदी, डिप्टी सीएमओ डॉ. नीरज कन्नौजिया, डीएलओ डॉ. नवनाथ प्रसाद, डीएमओ त्रिभुवन चौधरी, एचईओ उमेश शाही, डीपीएम नीरज सिंह और प्रधान सहायक अंकित श्रीवास्तव सहित कई स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

संवाददाता—गोण्डा। नगर पंचायत के वार्ड नम्बर एक नौशहरा दक्षिणी में बुधवार को तहसील प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में बंजर भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को जेसीबी से ढहा दिया गया। प्रशासन ने यह कार्रवाई नगरवासियों की लिखित शिकायत पर राजस्व कर्मियों की संयुक्त टीम द्वारा भूमि माप के बाद की है। दो घंटे से अधिक निर्माणाधीन दीवार पर जेसीबी की कार्रवाई देखने के लिए नगरवासियों का जमावड़ा रहा। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से थाने के इंस्पेक्टर प्रदीप शुक्ला सहित काफी संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद रहे। प्रकरण को लेकर सैकड़ों नगर वासियों ने नगर पंचायत कार्यालय, संपूर्ण समाधान दिवस व जिले के उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। इसके मुताबिक इस स्थल पर वर्षों से होलिका दहन करने की परम्परा चली आ रही है। इस पर तीन व्यक्तियों ने अनाधिकृत रूप से निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया है। ईओ घनश्याम सिंह व तहसीलदार मनीष कुमार ने बताया कि राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में गठित लेखपालों की टीम द्वारा की गई पैमाइश में अतिक्रमण की गई भूमि बंजर पाया गया जिसे नोटिस के बाद भूमि को मुक्त कराया गया।

नगर पंचायत का मास्टर प्लान तैयार 75 करोड रूपए परिव्यय का अनुमान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत नगर बोर्ड की बैठक अध्यक्ष नीलम सिंह राना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसका संचालन अधिशासी अधिकारी कीर्ति सिंह ने किया। बैठक में निर्णय हुआ कि मास्टर प्लान तैयार कर नगर पंचायत नगर का सुनियोजित विकास किया जाएगा। अगले वित्त वर्ष में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास में लगभग 75 करोड रूपए परिव्यय का अनुमान लगाया गया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बताया कि मुख्य सड़कों से घनी बस्तियों को जोड़ने वाली सड़कों तथा जल निकासी के लिए नालों और नालियों का निर्माण एवं स्ट्रीट लाइटों की स्थापना प्राथमिकता से कराए जाएंगे। जल संरक्षण और जल संवर्धन के लिए झील पोखरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। 900 से ज्यादा पात्रों को प्रधान मंत्री आवास की पहली किस्त बैंक खातों में भेजी जा चुकी है तथा लगभग 1700 लाभार्थियों के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं। सभी पन्द्रह वार्डों में स्वच्छ जल आपूर्ति के लिए 4 स्थानों पर पानी की टंकी स्थापित करने हेतु टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नगर पंचायत को स्वतंत्र फीडर से जोड़ने का कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है। शहरी नियोजन के लिए एलोपैथिक महिला और पुरुष अस्पताल, वाहन पार्किंग ,अग्नि शमन केंद्र, जन सुविधा पार्क, बारातघर, व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स, आडिटोरियम, नगर पंचायत मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़कों के चौड़ीकरण के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजकर स्वीकृत के लिए अनुरोध किया जाएगा। सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराकर जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए उपयोग में लाया जाएगा। पूर्व में निर्मित ग्राम पंचायत सचिवालयों के जीर्णोधार कर उन्हे बहु उपयोगी बनाया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों को पुनः सक्रिय करने और निःशुल्क बोरिंग योजना को फिर शुरू करने का प्रस्ताव

को भेजने का सदन से निर्णय हुआ। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने नगर को देश के नक्शे पर स्थापित कर एक मॉडल नगर पंचायत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सदन का सहयोग मांगा। अधिशाषी अधिकारी सुश्री कीर्ति सिंह ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन जारी है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि अमर शहीद की पावन भूमि नगर को महानगर की तर्ज पर विकसित करना हमारा दायित्व है।बैठक में सभासद राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, सबीना परवीन, रंजना देवी, संदीप कुमार, दिनेश चौरसिया, अखिलेश यादव, सत्य राम निषाद ,राम सजन यादव, विजय साहनी, किरन ने भी अपने विचार व्यक्त कर अनेक सुझाव दिए।

रोजगार सेवकों ने सीखा साइबर व आग से बचाव का गुर

संवाददाता—श्रावस्ती। साइबर अपराध व आग की घटनाओं को रोकने के लिए जागरुकता कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें ग्राम रोजगार सेवकों को आग व साइबर घटनाओं से बचने का तरीका बताया गया।

साइबर क्राइम पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रहास मिश्रा की ओर से जिला प्रशिक्षण आशा, एएनएम केन्द्र भिनगा में बुधवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर, इन्टरनेट व सूचना तकनीकी के प्रयोग में वृद्धि हुई है जिससे लोगों को काफी सहूलियत मिल रही है। वहीं इसके विपरीत सूचना तकनीकि का दुरुपयोग भी बढ़ा है। जिसके कारण साइबर क्राइम के नए और खतरनाक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। साइबर अपराधी नवीन तकनीक का प्रयोग करके तथा अपनी पहचान छिपाकर प्रतिदिन साइबर अपराधों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिससे बचने के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत जानकारी सोशल मीडिया पर न दें और किसी भी अनजान व्यक्ति को बैंक एकाउंट, ओटीपी, पिन, आधार नम्बर, पैन नम्बर आदि बिल्कुल भी साझा न करें। वित्तीय फ्रॉड होने पर शीघ्र 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। इस दौरान एफएसओ संजय जायसवाल ने सभी रोजगार सेवकों को अग्निकांड की घटना घटित होने पर प्राथमिक तौर पर की जाने वाली त्वरित कार्यवाही का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने वाहन में होते समय आग लगने पर कैसे बचाव करें, कैसे सुरक्षित बचें आदि तरीके बताए।

पुलिस अधीक्षक ने गिलौला थाने का किया निरीक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बुधवार को गिलौला थाना का निरीक्षण किया। थाने पहुंचे एसपी को सम्मान गार्द की सलामी दी गई। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों में सुधार के लिए एसपी ने मातहतों को निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सबसे पहले थाना कार्यालय में रजिस्टर नंबर आठ, अपराध रजिस्टर, एक्टिव लिस्ट, बीट सूचना रजिस्टर, फ्लाई शीट रजिस्टर की जांच की। साथ ही बीपीओ रजिस्टर, शस्त्र सत्यापन, आर्डर बुक प्रार्थना पत्र, आर्डर बुक न्यायालय आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर में खड़े लावारिस तथा मुकदमाती वाहनों का आपरेशन क्लीन के तहत निस्तारण के लिए निर्देश दिया।

पांच यात्रियों को लेकर उतरा तो सात यात्रियों को लेकर रवाना हुआ विमान

संवाददाता—श्रावस्ती। श्रावस्ती एयरपोर्ट से हवाई यात्रा दूसरे दिन भी जारी रही। दोपहर दो बजकर 5 मिनट पर फ्लाई विंग एयरलाइन का विमान लखनऊ से क्षेत्रीय विधायक समेत चार यात्रियों लेकर श्रावस्ती एयरपोर्ट पर उतरा। तीन बजकर 5 मिनट पर वही विमान श्रावस्ती एयरपोर्ट से सात सवारियों को लेकर लखनऊ के लिए उड़ गया। विमान से उतरते ही एयरपोर्ट पर भाजपा विधायक और अन्य सवारियों का भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला पहना कर स्वागत किया। लखनऊ से श्रावस्ती की विमान यात्रा शुरू हो गई है। इससे लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। लोगों ने अपने टिकट बुक कराना शुरू कर दिया है। मंगलवार को विमान पहली बार श्रावस्ती एयरपोर्ट पर उतरा था। इसके एक घंटे के बाद फिर से लखनऊ के लिए उड़ गया था। बुधवार को फिर से विमान श्रावस्ती एयरपोर्ट पर उतरा जिसमें विधायक राम फेरन पाण्डेय उनके पुत्र आशुतोष पाण्डेय व दो अन्य सवारियां एयरपोर्ट पर उतरी तो लोगों ने फूल माला पहना कर स्वागत किया।

हवाई यात्रा करके आए यात्रियों से यात्रा के अनुभव के बारे में पूछे जाने पर विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय ने बताया कि इस क्षेत्र के व्यापारियों, राजनीतिक व्यक्तियों व इलाज के सिलसिले में आम जनमानस को राजधानी लखनऊ अक्सर जाना पड़ता है। श्रावस्ती के बहु प्रतीक्षित एयरपोर्ट पर हवाई उड़ान शुरू करके मोदी सरकार ने श्रावस्ती जनपद को बड़ी सौगात दी है। हवाई यात्रा करना बहुत ही सुखद रहा। विमान से अपने श्रावस्ती को देखना मन को आनंदित करने वाला क्षण रहा। बुधवार को एक विमान एस 9337 चालक अपने क्रू मेंबर के साथ श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय व मनोज दूबे सहित पांच यात्रियों को लेकर श्रावस्ती एयरपोर्ट पर पहुंचा तो विमान में सवार सभी यात्री खुशी से उत्साहित दिखे। श्रावस्ती एयरपोर्ट से आने जाने वाली फ्लाई बिंग एयरलाइन का विमान 19 सीटर है। इस विमान से 4 सीट फ्लाई बिंग के क्रू मेंबर के लिए आरक्षित है और 15 सीट आने जाने वाले यात्रियों के लिए है। एक बार में 15 सवारियां ही बैठ सकती हैं लेकिन दो दिनों में कभी पांच तो कभी चार सवारियां ही आई हैं। कुमार झानू, निदेशक विमान क्षेत्र श्रावस्ती ने कहा कि एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले ध्यान से जरूरी कागजात रख लें और साथ ही प्लेन टिकट का भी प्रिंट आऊट निकलवा कर रख लें। टिकट के बिना एयरपोर्ट में प्रवेश नहीं मिलेगा। क्योंकि फोन एसएमएस को यहां वैध नहीं माना जाता है। यात्री इस बात का ध्यान रखें कि प्लेन में एक सीमित मात्रा तक सामान ले जाने की अनुमति होती है। अगर सामान का वजन एयरलाइंस के दिशा निर्देशों में उल्लिखित वजन से ज्यादा है तो एयरपोर्ट पर एक्स्ट्रा सामान के लिए फीस भर सकते हैं और अपने सामान के साथ उड़ान भर सकते हैं।

श्रीराम धाम निःशुल्क यात्रा शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत नगर में बुधवार से श्रीराम धाम निःशुल्क यात्रा का शुभारम्भ करते हुए अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क धार्मिक यात्रा कराई जाएगी। नगर पंचायत नगर से प्रतिमाह 30 श्रद्धालु अयोध्या, मखौड़ा और वशिष्ठ आश्रम की एक दिवसीय निःशुल्क यात्रा पर जा सकेंगे। आज नगर पंचायत कार्यालय पर अध्यक्ष श्रीमती राना ने इस योजना की औपचारिक घोषणा करते हुए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत किया। उन्होंने इसे भगवान श्री राम का बाल कॉरिडोर बताते हुए कहा कि अयोध्या नरेश महाराज दशरथ द्वारा किए गए पुत्रेष्टि यज्ञ स्थल मखौड़ा धाम, पांच वर्षीय बालक स्वरूप श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर और शिक्षा दीक्षा संस्कार प्रदान करने वाली पवित्र भूमि महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी बस्ती धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमती राना ने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को यह यात्रा सुबह 08 बजे नगर स्थित पौराणिक श्री दुर्गा मंदिर से प्रारम्भ होगी। प्रत्येक सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय पर रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदक को स्वयं आना होगा। एक व्यक्ति केवल एक आवेदन फार्म जमा कर सकेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने इसे बुजुर्ग नागरिकों के लिए सौगात बताते हुए कहा कि भगवान श्री राम का संपूर्ण जीवन एक आदर्श है। उन्होंने नगर को देश के नक्शे में स्थापित कर एक मॉडल नगर पंचायत बनाने के लिए कार्ययोजना पर अमल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी और योगी जी की सरकार भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर देश की सांस्कृतिक विरासत मजबूत कर रही है। इस अवसर पर सभासद विजय जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी ,विंदु लाल, अखिलेश यादव, विजय सहनी, दिनेश चौरसिया, बिरेंद्र कुमार ,संदीप कुमार, सत्यराम निषाद, राकेश पाण्डेय,धर्म प्रकाश श्रीवास्तव, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीएम का समाज कल्याण विभाग में छापा, सूची संग पकड़े दो संदिग्ध

संवाददाता—बहराइच। जनता दर्शन में लगातार आ रही शिकायतों को डीएम मोनिका रानी ने गंभीरता से लिया है। जिसका नतीजा रहा कि बुधवार की दोपहर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में उन्होंने छापा मारा और पटल से दो संदिग्धों को पकड़ा। हाथ में कइयों की सूची देखकर नाराज डीएम ने पुलिस को बुलाकर उसके हवाले कर दिया और खुद पोर्टल की जांच की। विसंगतियां देखकर लिपिक को जमकर फटकार लगाई तो एलडीएम को केवाईसी की औपचारिकताएं पूरी कराने के लिए ठोस कदम उठाने के मोबाइल पर ही निर्देश दिए। जिले में सैकड़ों पेंशन धारक पात्रता के बावजूद पेंशन नहीं पा रहे हैं। कहीं केवाईसी तो आधार सीडिंग समेत कई खामियां बताकर पटल लिपिक बुजुर्गों को दौड़ा रहे थे। विभाग से हारे पीड़ित सीधे जनता दर्शन में डीएम के पास फरियाद लेकर पहुंच रहे हैं। पात्रता के बाद भी पेंशन न मिलने की लगातार आ रही शिकायतों पर डीएम ने शहर के गेंदघर परिसर में संचालित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय पर बुधवार को दोपहर लगभग साढ़े ग्यारह बजे छापेमारी की। परिसर में भटक रहे बुजुर्गों को देखकर डीएम ने उनसे संवाद किया। इसके बाद वह सीधे पेंशन पटल पर पहुंच गईं। वहां मौजूद लोगों से पूछताछ किया। तभी दो संदिग्ध लोग मिले, जिनके हाथ में पेंशनधारकों की सूची मिली। डीएम ने सूची हाथ में होने व पेंशनधारकों से संबंध पूछा तो बगलें झांकने लगे। दरगाह एसएचओ को मौके पर बुलाकर दोनों संदिग्धों पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। पटल लिपिक से पात्रता के बावजूद पेंशन न पाने वाले व पेंशन बीच में रुकी पेंशनधारकों की संख्या वजह सहित पूछा। सही जवाब न देने पर पोर्टल खोलवाया, और खुद जांच में जुट गईं। कई ऐसे पात्र रहे जो लिपिक की वजह से अटके रहे। उन्होंने तत्काल आधार की सीडिंग व अन्य औपचारिकताएं पूरी कराईं। जिन पेंशनधारकों की केवाईसी नहीं थी। एलडीएम को ऐसे लोगों की ई केवाईसी पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कहा कि यदि पात्रता के बावजूद पेंशनधारक उनके पास शिकायत लेकर पहुंचे, तो सभी पर कार्रवाई करेंगी। जिला समाज कल्याण विभाग में दलालों का जमावड़ा अधिकारी की गैर मौजूदगी में बना रहता है। डीएम की ओर से जिला समाज कल्याण अधिकारी को शासन में भेजा गया था। जिसके बाद ही हकीकत परखने के लिए छापेमारी की ताकि लिपिकों की दलालों से संलिप्तता सामने लाई जा सके। कई लिपिकों पर कार्रवाई भी हो सकती है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्त ने बताया कि विभागीय काम से शासन में आए हुए थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के हवाले किए गए दोनों संदिग्धों के दलाल होने की संभावना जताई जा रही है, जो पटल लिपिकों से सूची हासिल कर ग्रामीण पेंशनधारकों को सब्जबाग दिखाकर अवैध वसूली करते हैं। विरोध करने वालों की पेंशन कोई न कोई खामी दर्शाकर रोक दी जाती है। बरामद सूची की भी जांच के आदेश दिए गए हैं, ताकि सत्यता सामने लाई जा सके।

मोनिका रानी, डीएम ने कहा कि पेंशन की शिकायतों को गंभीरता से लेकर औचक निरीक्षण किया गया, दो संदिग्ध लोग सामने मिले। इनको पुलिस के हवाले किया गया है।

नदी में नहाने गए छह बालक बहे, पांच को राहगीरों ने बचाया, एक लापता

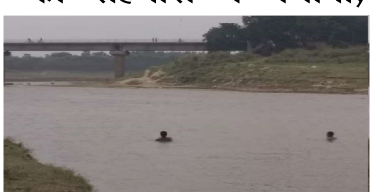

संवाददाता—बलरामपुर। नहाने गए छह बालक राप्ती नदी की धारा में बह गए। पांच बालकों को राहगीरों ने पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन एक बालक का पता नहीं चल सका है। उसकी तलाश के लिए स्थानीय गोताखोर लगाए गए हैं। गुमशुदा बालक के परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। घटना बुधवार दोपहर एक बजे थाना देहात अन्तर्गत सिसई गांव के निकट हुई है।

सिसई गांव निवासी इशहाक (13) पुत्र शफीक, तनवीर (12) पुत्र वहीद अख्तर, शाबान (10) पुत्र सगीर, शफीक (9) पुत्र रसीद, सोमान (13) पुत्र इजहार व अरमान (10) एजाज गांव के निकट राप्ती नदी में नहाने गए थे। बताया जाता है कि दोस्तों के बीच नदी पार करने की शर्त लग गई। इशहाक आगे गया तो उसके दोस्त पीछे—पीछे गहरे पानी में उतरते गए। सभी नदी की धारा में बह गए। किसी को तैरना नहीं आता था। तनवीर व शाबान हाथ पैर मारकर किसी तरह नदी से बाहर आ गए। शफीक, सोमान व अरमान धारा में बहते चले गए। कटरा गांव के ग्रामीणों ने बच्चों को नदी में बहते देखा तो शोर मचाया। कटरा निवासी जगतराम यादव जान की परवाह किए बिना नदी में कूद गए। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद शफीक, रोमान व अरमान को नदी से बाहर निकाला। तीनों बालक बेहोशी की हालत में थे। ग्रामीणों ने उन्हें पेट के बल लेटाकर पीठ दबाकर पेट में भरा पानी बाहर निकाला। घटना की जानकारी बच्चों के माता—पिता को दी गई। कटरा निवासी अटल बिहारी पाण्डेय बताते हैं कि गांव के निकट राप्ती नदी में गहरा कुंड है। इशहाक बहते—बहते उसी कुंड में समा गया। काफी खोजबीन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी पाकर थाना देहात के प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश सिंह हमराहियों समेत घटना स्थल पर पहुंचे। जो बच्चे डूबने से बच गए थे उनके परिजनों ने घटना स्थल पर पहुंचकर जगतराम को गले लगा लिया। सभी ने उन्हें धन्यवाद दिया। वहीद अख्तर, सगीर, रसीद व एजाज तथा अन्य ग्रामीणों ने कहा कि जगतराम ने जो हौसला दिखाया है वह हर किसी के वश की बात नहीं है। स्थानीय गोताखोर काफी देर तक नदी में इशहाक को ढूंढते रहे, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। बच्चे लगभग एक किलोमीटर दूरी तक बहकर चले गए थे। यदि जगतराम ने उन्हें न निकाला होता तो बच्चों की जान को खतरा हो सकता था।

इशहाक, तनवीर, शाबान, रोमान व अरवान ने रोजा रखा था। परिजनों का कहना है कि अल्लाह ने उनके बच्चों की जिन्दगी बख्श दी। बच्चे गर्मी से परेशान थे इसीलिए नदी में नहाने गए थे। इशहाक के परिवारीजन परेशान हैं। वे बार—बार नदी की ओर जाकर इशहाक का नाम ले—लेकर आवाज दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस के प्रशिक्षित गोताखोरों को मौके पर भेजा गया है। अभी इशहाक का पता नहीं चल सका है।

तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। गिरंट पुलिस ने असलहा व कारतूस बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। बुधवार को हरदत्त नगर गिरंट थाने के थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र के आलागांव तिराहे के पास से एक व्यक्ति के कब्जे से एक अदद 12 बोर तमंचा व दो अदद कारतूस बरामद किया। बरामद तमंचा व कारतूस को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अनीश खां पुत्र गुलाम रसूल उर्फ ढेढे निवासी ग्राम दोदीगाव थाना हरदत्तनगर गिरण्ट के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम का मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

परीक्षा से स्कूल डिबार, मान्यता वापसी की भी संस्तुति

संवाददाता—गोंडा। जिले के खोरहंसा स्थित एजाज हुसैन मेमोरियल इण्टर कालेज में यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान पंजीकृत छात्रों की जगह दूसरे छात्र पकड़े गए थे। इस मामले में केंद्र व्यवस्थापक की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान छद्म छात्रों को परीक्षा में बैठाने को लेकर डिबार करने के साथ मान्यता वापसी की संस्तुति की गई है। डीआईओएस राकेश कुमार ने बताया कि खोरहंसा के एजाज हुसैन इंटर कॉलेज में परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी विजय कुमार गुप्ता निवासी खालेपुरवा लोलिहापुर, चेतपुर गोण्डा के स्थान पर सोनू कश्यप पुत्र सूर्य प्रकाश चेकिंग के दौरान गेट पर पकड़ा गया। साथ ही परीक्षार्थी संत राम साहू पुत्र धर्म राज गुप्ता के स्थान पर परीक्षा केन्द्र पर निरीक्षण के दौरान सचल दल ने सत्येन्द्र शुक्ला पुत्र राजेन्द्र शुक्ला ग्राम कोयली जंगल, चेतपुर को पकड़ा था। डीआईओएस ने बताया कि जांच के दौरान दोनों छात्र बाबा राम स्वरूप स्मारक शिक्षण संस्थान उमावि, कोयली जंगल चेतपुर में कक्षा10 के संस्थागत छात्र हैं। विद्यालय की छात्र पंजीयन पंजिका में मिलान करने पर दोनों छात्रों का एसआर अपूर्ण पाया गया है। बोर्ड के निर्देश पर संबंधित विद्यालय को नोटिस देने के लिए कहा गया था। इसके बाद भी स्कूल ने कोई जवाब नहीं दिया गया। इस पर बाबा राम स्वरुप स्मारक शिक्षण संस्थान उ.मा.वि को बोर्ड परीक्षा में वास्तविक छात्रों की जगह पर छद्म छात्रों के बैठाने को लेकर मान्यता प्रत्याहरणडिबार करने की कार्यवाही की गई है।

गाजे—बाजे के साथ निकली जानकी जीवन सरकार की शोभायात्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या के सिद्ध एवं प्राचीनतम पीठों में शुमार दर्शन भवन मंदिर से श्री जानकी जीवन सरकार के 16 वें प्रकाशोत्सव पर पीठाधीश्वर महंत डॉक्टर ममता शास्त्री के संयोजन में गाजे—बजे और हाथी घोड़े के साथ निकली भव्य शोभायात्रा। अयोध्या के प्रमुख मार्गों से होते हुए शोभायात्रा मां सरयू के पावन तट पर पहुंची जहां मोक्षदायिनी सरयू मैया को 2100 दीपों से दीपदान किया गया उसके उपरांत मां सरयू की आरती उतारी गई। आरती पूजन अर्चन के बाद शोभा यात्रा पुनः दर्शन भवन आश्रम पहुंची जहां नर्मदेश्वर भगवान शिव का सिंगार हुआ दर्शन भवन के बिहार सरकार फूल बंगले में विराजे फूल बंगले की मनोरम झांकी देख सभी लोग मंत्र मुक्त हो गए देर रात तक नियमित रूप से विविध कार्यक्रम प्रारंभ हुए। शोभा यात्रा की अनुपम छटा देख कर के लोग मार्गों पर पुष्प वर्षा कर रहे थे गाजे—बाजे के साथ कलाकार डमरु का ऐसा अनुपम वादन कर रहे थे कि देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए वही मोर पंख में कलाकारों का नृत्य देखकर अयोध्या के साथ—साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी मुदित और भावविभोर हो गए।

द्वितीय दिवस का कार्यक्रम गौ माता के पूजन से प्रारंभ हुआ और साइन कालीन ठाकुर श्री जानकी जीवन सरकार फूल बंगले की झांकी में विराजे पूरा मंदिर परिसर विविध प्रकार के फूलों से सजाया गया और सरकार को छप्पन भोग लगाया गया और उसके बाद वह प्रसाद सभी भक्तों में वितरण किया गया। डॉक्टर ममता शास्त्री ने बताया कि यह कार्यक्रम अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन ब्रह्मचारी महंत विश्वनाथ दास शास्त्री गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से किया जाता है जिसका समापन नर्मदेश्वर भगवान के पूजन और जेवनार गायन से संपन्न होगा जिसमें अयोध्या के सभी साधु संत महंत गृहस्थ नेमी प्रेमी श्री जानकी जीवन सरकार के प्रसाद को पाएंगे।कार्यक्रम में शुकदेव दास ,विजय कुमार ,अशोक कुमार मिश्र एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट , राघवजी , अनन्या , वैदेही बाबू , शाश्वत बाबू के साथ मुख्य यजमान श्रीमती संजू गुप्ता एवं जगदीश गुप्ता मुख्य आयोजक कौशल किशोर सिंह बेगुसराय सहित दर्शन भवन से जुड़े देश के विभिन्न कोने से श्रद्धालु भक्त पधार कर उत्सव में भागीदार बन रहे है।

अग्रदेवाचार्य महाराज के प्राकट्य उत्सव सिद्ध पीठ रसमोदकुंज हुआ बधाई गान

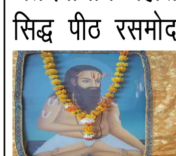

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। विक्रम संवत 1552 के फागुन शुक्ल पक्ष द्वितीया ग्राम रैवासा जिला सीकर राजस्थान ब्राह्मण कुल में जन्मे रसिकाचार्य स्वामी अग्रदेवाचार्य महाराज सनातन धर्म की रक्षा और उसके उत्तरोत्तर उन्नति के लिए निरंतर काम किए और वैष्णव परंपरा में बावन द्वाराचार्य अपने शिष्यों द्वारा 13 द्वाराचार्य पीठ की प्रतिष्ठा कराई। स्वामी अग्रदेवाचार्य महाराज का प्राकट्य उत्सव सिद्ध पीठ रसमोदकुंज में वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी जी महाराज के सानिध्य में मनाया गया जिसमें स्वामी जी महाराज को श्रद्धा निवेदित की गई और पदों का गायन किया गया। स्वामी जी महाराज के प्राकट्य उत्सव पर ठाकुर जी की विशेष पूजा अर्चना के साथ स्वामी महाराज की भी विशेष पूजा अर्चना की गई और मंदिर परिसर में बधाई गान हुआ। रसमोदकुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि अग्रदेवाचार्य महाराज चंद्रकला महाराज के अवतार के रूप में माना गया है और 16 वर्ष की उम्र में श्री कृष्ण दास पयहारी जी से दीक्षा लेकर शरणागति प्राप्त की।श्री महाराज जी द्वारा रसराज मई श्री सीताराम उपासना की अनंत सलिला फाल्गुन गंगा की भांति अविरल और मुक्त है त्रिवेणी से मिलने वाली श्री सरस्वती की धारा के समान इस उपासना का व्यापक रूप से प्रचार श्री अग्र देवाचार्य महाराज ने किया। उन्होंने बताया कि श्री महाराज जी को उपनाम अग्र अली जू के नाम से भी जाना जाता है।श्री महाराज ने बताया कि अग्रदेवाचार्य महाराज प्राकट्य उत्सव हर्षोल्लास के साथ बधाई गायन करके मनाया गया। बधाई गायन में व्यास राघवेन्द्र शरण व्यास ओंकार, श्री लाल जी शरण , संजय, रामचन्द्र दास, बालमुकुंद द्विवेदी, जयराम दास, शरद, राजेंद्र पांडेय ,पुजारी अनिरुद्ध शरण, पुजारी आकाश शरण मनोहर वैद्य कपिल व अन्य भक्त गण उपस्थित रहे।

ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी, उन्मुखीकरण समारोह में शिक्षा को बेहतर बनाने पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

पौली (संतकबीर नगर)। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के परिसर में बुधवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ब्लाक स्तरीय एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन खण्ड शिक्षा अधिकारी जर्नादन यादव की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि धनघटा नगरपंचायत प्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण दुबे व विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत दिनेश राय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि नगर पंचायत हैसर लक्ष्मी नारायण दूबे ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षको के कठिन परिश्रम से बेसिक शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। जिसका उदाहरण ग्राम पंचायतो के विभिन्न स्कूलों पर देखने को मिल रहा है। भाजपा सरकार ने कायाकल्प योजना चला कर सभी मूलभूत सुविधा मुहैया करा दी है। शिक्षा क्षेत्र में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निपुण अभियान चलाकर बच्चों को निपुण किया जा रहा है। अब परिषदीय विद्यालय किसी कानवेंट से कम नही है।

विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता दिनेश राय ने कहा कि विद्यालय के विकास में ग्राम प्रधान व ब्लाक के अधिकरियो का महत्वपूर्ण योगदान होता है। स्कूलो के विकास में जो धान आए बिना बटवारा किए धन का सदुपयोग करे।

खण्ड विकास शिक्षाधिकारी जर्नादन यादव ने कहा कि विद्यालयों के विकास में ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष और प्रधानाध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रधानगण कायाकल्प योजना के तहत अधिकांश विद्यालयो के सभी पैरामीटर तो पूरा कर लिए है लेकिन कुछ अवशेष भी है। उहें भी पूर्ण कराएं। डीबीटी योजना पर विस्तार से बताते हुए कहा कि अभिभावक के खाते में ड्रेस, स्वेटर व जूता मोजा का धन आने वाला है। उसे जरुर खरीदे। साथ ही साथ सरकार की अन्य योजनाओ को भी गिनाया और सभी आगंतुका का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया।

विद्यालयो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पच्चासों ग्राम प्रधान, प्रधानाध्यापक व एसएमसी अध्यक्ष को प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव ने किया।

कार्यक्रम मे विपिन कुमार, भोलेंद्र नाथ, रतीभान चौधरी, मनीराम चौहान, राम मोहन शुक्ला, राजेश गुप्ता, महेंद्र प्रसाद, हरिराम यादव, दिलीप कुमार, अजय मौर्या, राजेंद्र यादव, अजय कुमार, रमाशंकर, रामगोपाल, देवेंद्र कुमार, राजकुमार यादव, बद्री विशाल गौतम, रऊफ खान, मुबारक अली, मुमताज अहमद, कमलेश तिवारी, विकास मिश्रा, नवल किशोर, चंद्रमणि, कौशलेंद्र प्रताप, रोहित कुमार, आरती यादव, रतना पांडेय, गीता यादव, उर्मिला देवी, पूनम यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, एसएमसी अध्यक्ष और ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

हड़हवा फाटक रोड के चौड़ीकरण से टूटेंगे 1000 मकान

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर के हड़हवा फाटक के अगल—बगल खाली पड़ी जमीनें खरीदकर पांच दशक पहले घर बनवाने वालों ने तब सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके इलाके में भी फोरलेन और टू लेन जैसी चौड़ी सड़क बनेगी। लेकिन अब जब यह साकार होने जा रहा है तो सड़क के किनारे घर बनवाने वालों को इसकी भारी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। क्योंकि चौड़ीकरण के लिए गोरखनाथ मंदिर रोड से लेकर मेडिकल कॉलेज रोड के एचएन सिंह चौराहे तक करीब पांच किलोमीटर के बीच सड़क के दोनों तरफ के लगभग एक हजार मकान व दुकानों पर बुलडोजर चलाना होगा। स्थानीय लोग इस सड़क चौड़ीकरण का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन इतना जरूर चाहते हैं कि उनका मकान उतना ही तोड़ा जाए, जिससे कि वजूद बचा रहे। इन सबके बीच मकान व जमीन की पैमाइश होने से इस इलाके में खलबली मची हुई है। एचएन सिंह चौराहे से बशारतपुर के रास्ते हड़हवा फाटक होते हुए हुमायूंपुर चौराहे से मुड़कर गोरखनाथ मंदिर तक जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण होना है।

इस मार्ग पर दिन—रात वाहनों की आवाजाही रहती है। हड़हवा फाटक पर ओवरब्रिज बनना है। इस सड़क व पुल निर्माण कार्य का सीएम शिलान्यास भी कर चुके हैं। पहले पुल निर्माण के लिए जगह की तलाश हो रही है। मंगलवार दोपहर में हड़हवा फाटक से हुमायूंपुर के बीच जमीनों की पैमाइश हो रही थी। बताया गया कि वर्तमान सड़क के मध्य रेखा से दोनों तरफ 17—17 मीटर जमीन ली जानी है। हड़हवा फाटक के पास सड़क के किनारे स्टेशनरी की छोटी सी दुकान चलाने वाले परवेज कहते हैं कि सड़क चौड़ा होने की सबसे अधिक खुशी उन लोगों को है जिनका मकान सड़क से पीछे था। क्योंकि वर्तमान सड़क के मध्य रेखा से दोनों तरफ 17 मीटर जमीन ली जा रही है। अब जिनके घर सड़क के किनारे हैं, उनका दो तिहाई से भी अधिक हिस्सा निकल जा रहा है। किसी का चार फिट बच रहा है तो किसी का छह फिट। इतनी जगह में एक दुकान भी नहीं बनेगी। ऐसे में अगली कतार साफ हो जाएगी और पीछे वाले फ्रंट पर आ जाएंगे। अभी तक जो फ्रंट पर हैं वे यहां से उजड़ जाएंगे। वहां खड़े राकेश निषाद इनकी बात का समर्थन करते हुए कहते हैं कि अब तो मोहल्ला ही उजड़ जाएगा। हड़हवा फाटक से हुमायूंपुर चौराहे की तरफ करीब 20 मीटर आगे बढ़ने पर लाइन से मिट्टी के बर्तनों की दुकानें हैं। यहां पांच छह महिलाएं चर्चा कर रही थीं। 65 वर्षीया सुखराजी देवी की आंख डबडबा गई थी। कितना घर बचेगा के सवाल पर कहती हैं कि अब का बताईं बाबू, 45 साल पहले जब वियाह भइल रहे तब, ईहां तक आवे खातिर रिक्शा भी नाईं मिले। पैदल आवेके पड़े।

कुसम्हीं जंगल में पुलिस से मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया चेन लुटेरा, पैर में लगी गोली

संवाददाता—गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही क्षेत्र में महिलाओं के गले से चेन लूटने वाला एक बदमाश पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया। उसका साथी बाइक लेकर जंगल में भाग गया। पकड़े गए बदमाश की पहचान पिपराइच थाना क्षेत्र के बड़की रेतवहिया निवासी अनिल चौहान के रूप में हुई। उसे पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसपी सिटी केके बिश्नोई ने बताया कि उसके एक अन्य साथी की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के रामपुर माफी गांव की झिनकी अपने पति अतुल साहनी के साथ मंगलवार को बुढ़िया माता मंदिर पर दर्शन करने गई थीं। करीब दो बजे के बाद वह कुसम्ही पिपराइच मोड़ पर घर जाने के लिए ऑटो का इंतजार करने लगीं। तभी एक बदमाश उनके गले से मंगलसूत्र छीनकर भाग गया। झिनकी की सूचना पर एक अज्ञात बदमाश के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज करके पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। बताया जाता है कि इसके पहले बीते रविवार को खड़राइच गांव की गुड्डी सिंह के गले से सोने की चेन लूटकर बाइक सवार बदमाश भागे थे। घटना के बाद कुसम्हीं जंगल सहित अन्य जगहों पर पुलिस की पिकेट लगा दी गई। बुधवार की शाम बाइक सवार दो संदिग्ध युवकों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह जंगल की ओर भाग निकले। पुलिस के पीछा करने पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक युवक के दाहिने पैर में गोली लगी। दूसरा तेजी से भाग निकला। घायल को पुलिस जिला अस्पताल ले गई। पूछताछ में उसने चेन लूट की घटनाओं में शामिल होना कबूल किया। उसके खिलाफ पहले से लूट के आठ मामले दर्ज हैं।

अब घर बैठे रामलला की आरती देख सकेंगे भक्त

संवाददाता—अयोध्या। रामलला के भक्तों को राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से एक नई सुविधा प्रदान की गई है। भक्त घर बैठे हर दिन सीधे अयोध्या से आरती का लाइव प्रसारण देख सकते हैं। दूरदर्शन रोज सुबह 6:15 बजे अयोध्या में राम मंदिर से दैनिक आरती का प्रसारण करेगा। इसका शुभारंभ हो गया है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से राम मंदिर भक्तों के लिए खोला गया था। मंदिर खुलते ही रामलला के दर्शन को भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रामलला के दरबार में भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। रोजाना डेढ़ से दो लाख भक्त रामलला के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं।

अभी कुछ दिन पहले ही रामलला की आरती में शामिल होने के लिए ट्रस्ट की ओर से पास की व्यवस्था शुरू की गई थी। श्रृंगार, भोग व शयन आरती में सम्मिलित होने के लिए ट्रस्ट की ओर से पास जारी किए जाते हैं। अब रामलला की सुबह 6रू15 बजे होने वाली श्रृंगार आरती के लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था शुरू कर दी गई है। दूरदर्शन ने मंगलवार को पहले दिन इसका ट्रायल किया है। बुधवार से रोजाना लाइव प्रसारण की सुविधा सुचारू रूप चलने लगी। 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक लगभग 75 लाख श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि रामलला की श्रृंगार आरती का लाइव प्रसारण दूरदर्शन की ओर से शुरू कर दिया गया है । जल्द ही रामलला की संध्या आरती के भी लाइव प्रसारण की व्यवस्था शुरू कराई जाएगी।

शपथ ग्रहण समारोह आज

संवाददाता—गोरखपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी (आश्रित) जनकल्याण परिषद गोरखपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण गुरुवार को बार एसोसिएशन सभागार (कलेक्ट्रेट) में होगा।

यह जानकारी परिषद के नवनिर्वाचित जनसंपर्क अधिकारी संजय वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण का समारोह 1 बजे आयोजित होगा।

छुट्टा गोवंश के हमले से बुजुर्ग की मौत

संवाददाता—अयोध्या। स्थानीय तारुन बाजार में छुट्टा गोवंश सांड के हमले में 92 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बाजार निवासी राघवराम वर्मा के पिता गौरीशंकर पुत्र राम समुझ उम्र 92 वर्ष बुधवार की सुबह घर से कुछ दूरी पर तारुन गोसाईंगंज मार्ग पर गये हुये थे। इसी दौरान सड़क पर घूम रहे छुट्टा गोवंश सांड में उन पर हमला कर दिया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आनन फानन में उन्हें परिजन इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन ले गये। अस्पताल में मौजूद डॉ अभिषेक विश्वास व फार्माशिष्ट आर के वर्मा ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत नाजुक देख मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। पीड़ित राघवराम वर्मा व अंकित ने बताया कि इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले भी सांड के हमले में कई लोग घायल हो चुके हैं।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल- बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2024—695   दिनांकः 12.03.2024

-: अति0 अलपकालीन ई-निविदा सूचना :-

निम्न कार्यों हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रुप से सुदृढ प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारी / फर्म से अलग अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई—टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 19.03.2024 को आनलाइन निविदाये आमन्त्रित की जाती है, ई—टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनाँक 19.03.2024 को अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है, जो उसी दिन निविदाता ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों (यदि उपस्थित हुए) के समक्ष दिनांक 19.03.2024 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आनलाइन खोली जायेगी। निविदा की तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने पर वित्तीय बिड खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1	3	4	5	6	7	8		9
33	लोक सभा सामान्य निर्वाचन—2024 के दृष्टिगत नवीन मण्डी स्थल नौगढ़ में पूर्व निर्मित 08 नग 'अ' श्रेणी, 09 नग 'ब' श्रेणी एवं 29 नग 'स' श्रेणी दुकानों की मरम्मत/रंगाई—पुताई, क्षतिग्रस्त नाली की आंशिक मरम्मत तथा आन्तरिक सड़क की पैच मरम्मत इत्यादि कार्य।	6.81	0.70	1700.00	15 दिन	90	"द"	अ, ब, स, द

नोटः—

(1) धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग—अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

(2) निविदादाता द्वारा अपलोड किये गये प्रपत्रों में से यदि कोई भी प्रपत्र फर्जी पाया जाता है तो ऐसे निविदादाता द्वारा मण्डी परिषद के खाते में जमा जमानत धनराशि को मण्डी परिषद के खाते में जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(3) मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्राक मु0अभि0ग्रेड—2/(1168)/भाग—4/2005) /2022—641 दिनांक 11.08.2022 एवं पत्रांक 217 दिनांक 29.05.2023 एवं परिषद पत्रांक 487 दिनांक 11.07.2023 के अधीन 'अ' एव 'ब' श्रेणी मे मण्डी परिषद के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभागों/कार्यदायी संस्थाओं (लो०नि०वि०, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार निर्धारित नियमों के अनुरूप ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पी0डब्लू0डी0, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, व यू०पी०पी०सी०एल०) 'अ' श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार "अ" व "ब" श्रेणी के कार्य में तथा "ब" श्रेणी में पंजीकृत फर्म "ब" श्रेणी के कार्य की निविदा में प्रतिभाग कर सकते है। अन्य श्रेणी के कार्यो में प्रतिभाग करने पर निविदा प्रथम दृष्टया निरस्त कर दी जायेगी।

(4) अन्य सरकारी विभागों मे पंजीकृत ठेकेदारों की निविदा प्रथम न्यूनतम आती है तो उन्हें मण्डी परिषद में पंजीकरण कराना होगा तथा अनुबन्ध गठन के समय 10 प्रतिशत अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करनी होगी।

(5) विस्तृत नियम व शर्तें आनॅलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

उप निदेशक (निर्माण)

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 385/2019
शफीक अहमद
बनाम
रामफेर आदि

1. रामफेर 2. पंचम पुत्रगण हन्नान निवासीगण ग्राम सिगोड़ियों तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. महमूद अहमद 4. शफीक अहमद पुत्रगण मो0 नजीर निवासीगण ग्राम सिगोड़ियों तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
5. गया प्रसाद पुत्र बखेडू उर्फ सुरेमन साकिन बनगवा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती
—प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 08—04—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 369/2023
मोहनलाल
बनाम
बेकारू आदि

1. बेकारू पुत्र दुलारे उम्र लगभग 60 साल 2. जगदम्बा प्रसाद पुत्र शिव प्रसाद उम्र 42 साल 3. रवि मिश्रा पुत्र विनोद मिश्रा उम्र करीब 30 साल 4. प्रदीप मिश्रा पुत्र रामसरन उम्र करीब 32 साल निवासीगण ग्राम छरौछा उर्फ सोखापुरवा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—04—2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 119/1990
नूरैन
बनाम
चन्दी

1. मनोज पुत्र लक्ष्मी 2. जीतु पुत्र लक्ष्मी 3. अनीता पत्नी लक्ष्मी समस्त निवासीगण ग्राम नगर खास तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 29—04—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 373/2023
मो0 याकूब आदि
बनाम
रामनेवास आदि

1. रामनेवास उम्र 42 साल 2. रामलगन उम्र करीब 34 साल 3. विक्रम उम्र करीब 36 साल 4. जोधन उर्फ रामसेवक उम्र करीब 38 साल पुत्रगण अयोध्या 5. अयोध्या उम्र करीब 67 साल पुत्र गरीब समस्त साकिनान हरैया भैया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती पो0—महुआर

तारीख पेशी 25—04—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत—श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0—21—2022
मूलवाद सं0 78/2015
राजेन्द्र सिंह
बनाम
मुन्नीलाल आदि

1. मुन्नी लाल 2. दयाराम पुत्रगण महाबीर साकिनान शिवपुर (वैरवा) तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील भानपुर जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. रामदुलारे सिंह मृतक पुत्र राज बहादुर सिंह 3/1 अमरजीत सिंह पुत्र राम दुलारे सिंह 4. रमेश सिंह 5. छत्रपाल सिंह पुत्रगण राजबहादुर सिंह साकिनान शिवपुर (वैरवा) तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील भानपुर जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15—03—2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 03 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 334/2023
श्रीमती मालती
बनाम
रमाकान्त आदि

1. रमाकान्त 2. रामबसन्त पुत्रगण खेमई 3. रामधनी पुत्र मनोहर 4. बाबूराम पुत्र रामधनी 5. शम्भू पुत्र छागुर 6. चिन्तालाल पुत्र दयाराम 7. रामभजन पुत्र दयाराम साकिनान मौजा बैड़ारी एहतमाली तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 19—04—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान षष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 882/2015
श्रीमती रीता मिश्रा
बनाम
श्रीमती इसराजी देवी आदि

1. श्रीमती इसराजी देवी पत्नी स्व0 श्रीराम सुमेर 2. श्रीराम पुत्र स्व0 सरजू प्रसाद 3. बालमुकुन्द 4. राजेन्द्र प्रसाद 5. वीरेन्द्र कुमार पुत्रगण हरीराम निवासीगण मौजा पचपेड़िया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 22—03—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com